राजस्थान पत्रिका

Sunday, October 25th, 2009

आगे आना होगा युवाओं को

अंतरराष्ट्रीय क्लाइमेट एक्शन दिवस पर छात्रों ने किया संकल्प

कार्यालय संवाददाता

बेंगलूरु, 24 अक्टूबर। अंतरराष्ट्रीय क्लाइमेट एक्शन दिवस शनिवार को दुनियाभर में मनाया गया। जलवायु परिवर्तन और उसके नतीजों के बारे में बहुत कुछ लिखा-पढ़ा जा चुका है। देश के विभिन्न भागों में असमय वर्षा या सूखा जैसी आपदाओं के पीछे कहीं ना कहीं जलवायु परिवर्तन एक कारक माना जा रहा है। लेकिन अब तक इस विषय पर करने के बजाय कहा-सुना ही गया। भारतीय युवा नेटवर्क और कई गैर सरकारी संगठनों ने इस दिवस को जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों को जागरूक करने तथा वातावरण में कार्बन का स्तर घटाने के लिए अभियान शुरू किया। अभियान के तहत कार्बन के मौजूदा स्तर 387 कणिका प्रति मिलियन को घटाकर 350 करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे 350 आंदोलन का नाम दिया गया है।

शहर के जैन विश्वविद्यालय ने इस दिशा में विशेष मुहिम की शुरुआत की। विश्वविद्यालय ने सिडनी व बिजिंग के कुछ गैर सरकारी संगठनों द्वारा शुरू किए गए इस आंदोलन के प्रति समर्थन जताने के लिए ह्यूमन फाइव की शृंखला बनाई।

विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसके बाद पौधारोपण अभियान चलाया और कनकपुरा व बेंगलूरु शहर के विभिन्न इलाकों में सीएफएल बांटे। जैन विश्वविद्यालय के दात्रों ने बॉयो पार्क में भी पौधा रोपण किया। इस मुहिम में बेंगलूरु बाइकर क्लब भी शामिल हुआ। इसमें रेवा कार, साइकिल से स्वयंसेवकों ने रैली निकाली।

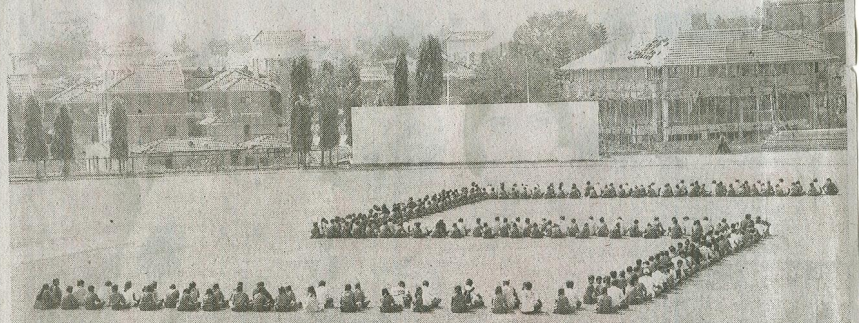

बेंगलूरु में शनिवार को 350 अभियान के तहत एस आकार में मानव श्रृंखला बनाते जैन डीम्ड विश्वविद्यालय के छात्र।

विश्वविद्यालय के छात्र शंकर कहते हैं, धरती हमारी तरफ देख रही है। हमें ही पृथ्वी को बचाने के लिए आगे आना होगा। धरती को फिर से हरा-भरा कर हम इस संकट से मानवता को बचा सकते हैं। हम युवाओं के प्रतिनिधि के रूप में यह संकल्प करते हैं कि धरती मां को बचाने की मुहिम को आंदोलन बनाएंगे। एक अन्य छात्रा श्रद्धा पांडे ने कहा कि हम युवाओं को धरती पर जलवायु परिवर्तन के कारण आसन्न संकट को दूर करने के लिए आगे आना होगा। धरती पर ग्रीनरी फैलाने से आने वाली पीढ़िया सुरक्षित रह पाएंगी। इसलिए इस अभियान में सभी को शामिल होना चाहिए और इसे जनांदोलन बनाना चाहिए।